अडानी एयरपोर्ट्स में डिजिटल क्रांति

यात्रियों की हर जरूरत का जवाब देगा एआई : अडानी की नयी पहल

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर (वार्ता) अडानी समूह की कंपनी अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने यात्रियों के अनुभव और हवाई अड्डा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए ऐप और चैट समेत हवाई अड्डों से संबंधित अपने सभी चैनलों को एजेन्टिक एआई से जोड़ने की घोषणा की है. एजेन्टिक एआई यात्रियों को फ्लाईट की स्थिति, किस गेट पर कितनी भी? है और अन्य संबंधित जानकारियां मुहैया करा सकता है.

अडानी एयरपोर्ट्स ने इसके लिए इंटरग्लोबल एंटरप्राइजेज की इकाई आयनोस के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है. अडानी एयरपोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण बंसल और आयनोस के सह-संस्थापक एवं उपाध्यक्ष सी.पी. गुरनानी ने गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में करार संबंधित दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया. बंसल ने कहा कि आयनोस द्वारा तैयार समाधान के माध्यम से अडानी वन ऐप, हवाई अड्डा संचालन से जुड़ी एजेंसियों के लिए तैयार एवियो ऐप और अडानी के एकृकित टोल-फ्री वायस नंबर 1800-572-111-111 को एक साथ जोड़ा जायेगा. एक जगह की गयी शिकायत या मांगी गयी जानकारी अपने-आप उचित एजेंसी या अधिकारी से पास पहुंच जायेगी.

इसके साथ ही हवाई अड्डा प्रबंधन भी बेहतर होगा. एजेन्टिक एआई के माध्यम से यात्रियों को ऐप पर उनके फ्लाईट की स्थिति, हवाई अड्डे पर किस गेट पर कितनी कतार है और कहां कौन सी सुविधा या कौन सा स्टोर है, इसकी जानकारी भी मिल सकेगी. अडानी एयरपोर्ट्स की मुख्य डिजिटल अधिकारी एकता घोष ने बताया कि प्रबंधन के मामले में सुरक्षा एजेंसियों को यह जानकारी मिल सकेगी कि किस समय कितने यात्री आने वाले हैं और उनमें कितनी महिलाएं और कितने पुरुष हैं ताकि उसी के अनुरूप सुरक्षा कर्मियों की तैनाती हो सके. यात्री पार्किंग की, लॉन्ज की प्री बुकिंग करा सकेंगे .

अमेरिकी फेड ने घटायी ब्याज दर

वाशिंगटन, 30 अक्टूबर. अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की जिससे गुरुवार को एशिया तथा यूरोप में शेयर बाजारों में गिरावट देखी गयी. अमेरिकी केंद्रीय बैंक की फेडरल ओपन मार्केट समिति (एफओएमसी) ने नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की घोषणा करते हुए बताया कि सितंबर में पिछली बैठक के बाद से आर्थिक गतिविधियों में धीमी गति से वृद्धि हुई है. इस साल रोजगार वृद्धि की रफ्तार सुस्त पड़ी है और बेरोजगारी बढ़ी है हालांकि इसकी रफ्तार कम हुई है. दूसरी तरफ, साल के शुरुआती समय की तुलना में मुद्रास्फीति बढ़ी है. फेड ने इन कारकों को देखते हुए दरों में एक-चौथाई प्रतिशत की कटौती का फैसला किया.

सीतारमण भूटान नरेश से करेंगी भेंट

भारत और भूटान के आर्थिक संबंधों के विस्तार

विस्तार तथा विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करना

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर. वित्त एवं कार्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार से तीन दिन की भूटान यात्रा पर हैं और इस दौरान वह उच्चस्तरीय द्विपक्षीय भेंट-मुलाकात तथा बैठकों में भाग लेने के अलावा विकास परियोजनाओं का दौरा भी करेंगी .

वित्त मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्रीमती सीतारमण की यह यात्रा भारत और भूटान के आर्थिक संबंधों के विस्तार तथा विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करना है. कार्यक्रम के अनुसार सीतारमण यात्रा की शुरुआत सांगचेन बौद्ध मठ के दर्शन से शुरू करेंगी. यह 1765 में स्थापित किया गया है और इसमें हर समय एक सौ से अधिक भिक्षु बौद्ध विद्याध्ययन करते हैं.

वित्त मंत्री इस यात्रा में कूरीछू पनबिजी बांध एवं बिजलीघर, गयालसुंग अकादमी, सांगचेन चोइखोर मठ, ओर पुनाखा डोजोंग जैसी कुछ परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण भी करेंगी जो भारत के सहयोग से विकसित की जा रही हैं. सीतारमण भूटान प्रवास के दौरान भूटान नरेश, जिग्मे खेशर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री दाशो त्शेरिंग टॉब्गे से भेंट करेंगी तथा वित्त मंत्री लेके दोर्जी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी.

> कार्यक्रम के अनुसार इस दौरे में श्रीमती सीतारमण के समक्ष भूटान के ऊर्जा क्षेत्र के विकास, 21वीं सदी की आर्थिक वृहद योजना, बैंकिंग क्षेत्र की योजनाओं और गेलेफ माइंडफुलनेस सिटी परियोजना परियोजना पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी . वह एक बाजार में भी जाएंगी और देखेंगी कि किस तरह भूटान में भी लोग भारत के यूपीआई ऐप के माध्यम से खदीद-फरोख्त कर रहे हैं . वह कुछ किसानों से भी मिलेंगी जो स्वस्थ परम्पराओं के साथ खेती-बाड़ी करते हैं .

जैव विविधता कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजी : बालकृष्ण

कृत्रिम खेती के स्थान पर जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ पृथ्वी, खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना

हरिद्वार, 29 अक्टूबर. पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा है कि जैव विविधता कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजी है. आचार्य बालकृष्ण स्वस्थ धरा योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रबंधन द्वारा गुणवत्तापूर्ण जड़ी-बूटियों की सतत खेती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे.

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि कृषि में अत्याधिक रसायनों के प्रयोग से धरती पीड़ित है और भविष्य में इसके दुष्प्रभाव जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर पड़ेंगे. उन्होंने कृत्रिम खेती के स्थान पर जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया. पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के सहयोग से विश्वविद्यालय के सभागार में मंगलवार को संपन्न हुए इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय और पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट के तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से आयोजित किया गया था.

इसमें भरुवा एग्री साइंस ने भी सहयोग किया. कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ पृथ्वी, स्थायी कृषि, दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना और इसे वैश्विक स्तर पर मजबूत करना था. इसमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय किसान, शोधकर्ता, कृषि विशेषज्ञ और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल हुए, जिन्होंने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के तकनीकी उपायों पर चर्चा की. नाबार्ड के अध्यक्ष और काम में मुख्य अतिथि शाजी केवी ने पतंजलि के साथ सहयोग को महत्वपूर्ण बताया.

> कार्यक्रम को अपने संदेश पतंजलि के प्रमुख एवं योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग में पतंजलि की बड़ी भागीदारी है . आंवला एलोवेरा, अनाज और तिलहन उत्पादन में पतंजलि अग्रणी है . संस्था प्रकृति, पर्यावरण और धरती के संरक्षण हेतु समर्पित है तथा बायो कंपोस्ट और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों पर निरंतर अनुसंधान कर रही है . भारत सरकार के सहयोग से पतंजलि ने 80,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है . कार्यक्रम में कहा गया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हमारे किसान मृदा परीक्षण, मिट्टी प्रबंधन, फसल नियोजन, सिंचाई और कीट नियंत्रण में सुधार कर सकते हैं .

सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2025 आयोजित

पोस्टर प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया

नागपुर, 30 अक्टूबर. केंद्रीय सतर्कता आयोग के मार्गदर्शन में महारत्न कंपनी पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के क्षेत्रीय मुख्यालय, प. क्षे.-1,नागपुर सतर्कता- हमारी साझा जिम्मेदारी/ थीम के साथ में सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2025मना रहा है.

इसी तारतम्य में (बुधवार) को पूर्वाह्न 09-00 बजेसे अपरान्ह12-00 तक सतर्कता- हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर प्रोविडेंस गर्ल्स हाई स्कूल,सिविल लाइंस, नागपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रोविडेंस गर्ल्स हाई स्कूल, सिविल लाइंस, नागपुर इस पोस्टर प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्रों ने बढ़ी -चढ़ा कर हिस्सा लिया. प्रतियोगिता के उपरांत विजयी प्रतिभागियों को पावरग्रिड द्वारा प्रथम ,द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया . इस कार्यक्रम के दौरानसतर्कता विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए पैम्फलेटवितरित किए गए औरएक सेल्फी पाइंट भी स्थापित किया गया था.साथ ही साथ सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पावरग्रिड सतर्कता विभाग प्रमुख श्री एम. श्रीनिवास राव एवं महाविद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र प्रदान

इंडिगो बेंगलुरु से रियाद के लिए शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर. निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो बेंगलुरु से रियाद के लिए 16 नवंबर से उड़ान शुरू करेगी. एयरलाइंस ने गुरुवार को बताया कि यह उड़ान सप्ताह में पांच दिन मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को रात 10ः05 बजे बेंगलुरु से रवाना होगी. वापसी की उड़ान स्थानीय समय के अनुसार अगले दिन तड़के 2ः20 बजे रियाद से रवाना होगी. इंडिगो के नेटवर्क में जेद्दा के बाद रियाद बेंगलुरु से सीधी उड़ान वाला सऊदी अरब का दूसरा शहर है. एयरलाइंस इस मार्ग पर ए320 विमान का परिचालन करेगी. इंडिगो के बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि सऊदी अरब की राजधानी और व्यापार एवं निवेश के केंद्र के रूप में रियाद इंडिगो के लिए महत्वपूर्ण है.

पीएम मित्र टेक्सटाइल्स पार्क को पर्यावरण मंजूरी

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर. केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय ने कर्नाटक में प्रस्तावित पीएम मित्र टेक्सटाइल्स पार्क को पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने को देश में विश्व स्तरीय कपड़ा उद्योग पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा है कि इसके साथ ही देश में विकसित किये जा रहे सभी सातो पीएम मित्र पार्कों को पर्यावरण विभाग की हरी झंडी मिल गयी है.

कर्नाटक के कलबुर्गी में प्रस्तावित पीएम मित्र पार्क एक विशाल कपड़ा उद्योग केंद्र होगा. इसकी कल्पना इस तरह की गयी है कि एक ही स्थान पर एक विश्वस्तरीय कपड़ा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा किया जा सके. इसमें कताई से लेकर परिधान निर्माण तक, कपड़ा मूल्य वर्धन की पूरी श्रृंखला को एक ही स्थान पर जुटाया जाएगा. इससे वहां निवेश और रोज़गार सृजन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. हालाँकि इस पार्क को 2023 में मंजूरी दी गई थी, लेकिन पर्यावरणीय मंजूरी की आवश्यकता के कारण परियोजना में देरी हुई है.

शेयर बाजारों में गिरावट

मुंबई, 30 अक्टूबर (वार्ता) अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों में कटौती से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही.

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 592.67 अंक (0.70 फीसदी) टूटकर 84,404.46 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 176.05 अंक यानी 0.68 फीसदी की गिरावट में 25,877.85 अंक पर रहा.

अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बुधवार को नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की. इसके बाद भारत समेत दुनिया भर के शेयर बाजारों में गिरावट देखी गयी. इससे पहले, बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी-50 दोनों ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर बंद हुए थे.

एनएसई में रियलिटी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे. निजी बैंकों, वित्त, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, ऑटो और धातु समूहों में गिरावट रही. मझौली और छोटी कंपनियों पर कम दबाव रहा. एनएसई में जिन 3,178 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,748 में गिरावट और 1,321 में तेजी रही.

चावल, चीनी, दालें, खाद्य तेल नरम, गेहूं मजबूत

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव घट गये. चीनी, खाद्य तेलों और दालों के दामों में भी नरमी रही जबकि गेहूं में तेजी का रुख देखा गया. विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा आठ रिंगिट चढ़कर 4,260 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया. अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49.61 डॉलर के भाव बोला गया. बाजारों में चावल की औसत कीमत सात रुपये गिरकर 3,844.66 रुपये क्विंटल रह गयी.

कंपनियों, संस्थाओं को आयकर में मिली राहत

आयकर रिटर्न, सीबीडीटी ने दी बड़ी राहत

लेखापरीक्षा रिपोर्ट जमा करने की नई अंतिम तिथि 10 नवंबर

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर. केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने कर निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए कंपनियों, संस्थाओं और कुछ अन्य श्रेणी के आयकर दाताओं द्वारा आयकर अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के अंतर्गत आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 10 दिसंबर करने का निर्णय लिया है.

सीबीडीरटी की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में यह जनाकारी दी गयी है. इस धारा के स्पष्टीकरण 2 के खंड (क) में संबंधित विनिर्दिष्ट करदाताओं के लिए आयकर विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 रखी गयी है. अब ऐसे करदाता 10 दिसंबर तक विवरण जमा करा सकते हैं. विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अंतर्गत पूर्व वर्ष 2024-25 (कर निर्धारण वर्ष 2025-26) के लिए लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने की निर्दिष्ट तिथि को आगे बढ़ाकर 10 नवंबर 2025 कर दिया गया है. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139 की उप-धारा (1) कुछ व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए निर्दिष्ट नियत तिथि तक अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना अनिवार्य बनाती है.

समाचार विशेष

निकाय चुनावों में 'ब्रेकअप' तय

नहीं होगा गठबंधन! भाजपा-कांग्रेस ने दिए स्पष्ट संकेत

मुंबई. लोकसभा व विधानसभा चुनावों में गठबंधन कर लड़ने वाली महायुति व मविआ स्थानीय निकाय चुनावों में अलग-अलग चुनाव लड़ने वाली हैं. इसके स्पष्ट संकेत दोनों गठबंधनों की मुख्य पार्टियों भाजपा व कांग्रेस ने दे दिए हैं. मतलब मनपा चुनावों में दोनों ही गठबंधन टूटे नजर आएंगे.

हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संकेत दिया है कि मुंबई को छोड़कर राज्यभर में बीजेपी अकेले ही चुनाव लड़ेगी. कुछ जगहों पर मैत्रीपूर्ण लड़ाई भी हो सकती है. वहीं मविअ में शामिल घटक दल शिवसेना उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की मनसे मुंबई चुनाव साथ में लड़ने की तैयारी में हैं. इसके चलते कांग्रेस ने भी अपना अलग रास्ता तय कर लिया है. वह भी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है. मतलब निकाय चुनावों में गठबंधन नहीं होने वाला है.

पिंपरी-चिंचवड़ में भी बीजेपी बड़ी- मुख्यमंत्री फडणवीस ने पिंपरी-चिंचवड़ में राष्ट्रवादी अजीत पवार गुट के प्रभुत्व को नकारते हुए कहा है कि वहां भाजपा ही बड़ी ताकत है. पुणे मनपा में भी भाजपा की सत्ता थी. इसलिए इन दोनों नगरपालिकाओं में भाजपा स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी, लेकिन मुंबई में ठाकरे बंधुओं को टक्कर देने और महापालिका पर कब्ज़ा करने के लिए महायुति को साथ रहना मजबूरी है. मुंबई में महायुति के तीनों दल भाजपा, राकां अजीत पवार और शिंदे सेना एक साथ आकर चुनाव लड़ने पर सहमत हैं.

नागपुर में एकछत्र राज

नागपुर मनपा की बात करें तो यहां भाजपा की 15 वर्षों से एकछत्र सत्ता रही है. शिवसेना और राकां का पहले ही वजन नहीं रहा. दोनों पार्टियों में दो फाड़ होने के बाद तो बची खुची ताकत भी नजर नहीं आ रही है. ऐसे में बीजेपी दोनों सहयोगी दलों को गठबंधन बचाने के लिए 2-4 सीटें देने को राजी हो सकती है. वैसे बीजेपी के स्थानीय नेता इसके भी मूड में नहीं हैं. हालात देखते हुए भाजपा पर शिंदे गुट या अजीत पवार गुट ज्यादा दबाव भी नहीं बना पाएंगे. ठाणे में भाजपा और शिंदे गुट के बीच जबरदस्त टकराव की संभावना जताई जा रही है. अगर ठाणे में भाजपा और शिंदे गुट में तालमेल नहीं होता तो नागपुर में भी तीनों दल अलग-अलग मैदान में उतरेंगे.

डीकेएस के खिलाफ खड़गे और सिद्धारमैया!

बेंगलुरु. कर्नाटक में कांग्रेस का सत्ता संघर्ष दिनों दिन बढ़ता जा रहा है. उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने भले कह दिया हो कि अभी उनका समय नहीं आया है और 2028 में वे मुख्यमंत्री बनेंगे, जब फिर से कांग्रेस की सरकार बनवाएंगे.

लेकिन उनको भी पता है कि 2028 किसने देखा है. इस बार वोक्कालिगा समुदाय उनको मुख्यमंत्री बनाने के लिए जेडीएस को छोड़ कर कांग्रेस के साथ जुड़ा था. अगर अगले चुनाव तक वे मुख्यमंत्री नहीं बनते हैं तो 2028 में भी वोक्कालिगा कांग्रेस को ही वोट देगा, इसकी गारंटी नहीं रह जाएगी. वोक्कालिगा मतदाता स्थायी रूप से जेडीएस और एचडी देवगौड़ा परिवार को छोड़े इसके लिए जरूरी है कि शिवकुमार सीएम बनें. लेकिन ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पूरा कुनबा डीके शिवकुमार के खिलाफ काम कर रहा है. सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र ने अपने पिता के उत्तराधिकारी के तौर पर सतीश जरकिहोली का नाम अनायास नहीं आगे बढ़ाया है.

छह जिलों में मौन क्यों है बीजेपी?

क्या यह चुनावी रणनीति है या राजनीतिक संदेश?

पटना. बिहार की सियासी ज़मीन पर इस सवाल ने हलचल मचा दी है कि बाकी दल जहां हर सीट पर अपने झंडे गाड़ने की होड़ में लगे हैं, वहीं बीजेपी ने 6 जिलों में एक भी उम्मीदवार नहीं उतारा.

आखिर क्यों? यह चुप्पी क्या आने वाले बड़े खेल का इशारा है? क्योंकि बिहार चुनाव की रणभेरी बज चुकी है. नेता मैदान में हैं, इस तपते हुए चुनावी मौसम में एक ऐसी खबर आई है, जिसने हर राजनीतिक गलियारे में कानाफूसी तेज़ कर दी है. बीजेपी छह जिलों में पूरी तरह गायब है.

कौन से हैं वो 6 जिले- जी हाँ! मधेपुरा, खगड़िया, शेखपुरा, शिवहर, जहानाबाद और रोहतास. ये छह जिले ऐसे हैं, जहां भारतीय जनता पार्टी ने एक भी उम्मीदवार खड़ा नहीं किया. इतना ही नहीं, सहरसा, लखीसराय, नालंदा, बक्सर और जमुई जैसे अहम जिलों में भी बीजेपी सिर्फ एक-एक सीट पर ही सीमित दिखती है.

पहली नज़र में जवाब सीधा लगता है-बंधन-बीजेपी बिहार में जेडीयू, हम, लोजपा (रामविलास) और आरएलएम के साथ एनडीए गठबंधन में चुनाव लड़ रही है. सीट बंटवारे के तहत कई सीटें सहयोगी दलों के खाते में चली गईं. यह बात सही है, लेकिन क्या जवाब इतना आसान है? राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यह सिर्फ गठबंधन नहीं रणनीति का अदृश्य वार है. बीजेपी जानती है कि हर जगह लड़ना ही जीतना नहीं होता. कुछ जगह पीछे हटना भी भविष्य की जीत की शतरंज का हिस्सा होता है.

बड़े कारण हैं जिनकी चर्चा सबसे ज्यादा- जातीय संतुलन की चाल- जिन छह जिलों में बीजेपी ने उम्मीदवार नहीं उतारे, वो इलाके जातीय रूप से संवेदनशील हैं. यहां कुर्मी, कोइरी, निषाद, पासवान और यादव जैसी जातियों का प्रभाव भारी है. बीजेपी चाहती है कि अपने सहयोगियों को आगे करके इन जातीय वोट-बैंकों को एकजुट किया जाए.

लोकल बनाम नेशनल फैक्टर- बिहार में लोकल चेहरों की पकड़ को लोग ज़्यादा मानते हैं. राजनीतिक ज़मीन पर जेडीयू और हम पहले से मजबूत हैं. बीजेपी चाहती है कि मोदी का चेहरा राष्ट्रीय अभियान में रहे और स्थानीय सीटों

> **2029 की तैयारी** - अभी सेयह चुनाव सिर्फ 2025 का चुनाव नहीं . यह 2029 की तैयारी भी है . बीजेपी बिहार में दीर्घकालिक गेम खेल रही है पहले गठबंधन मजबूत करो, फिर संगठन फैलाओ और अंत में बड़ी जीत की पटकथा लिखो . बीजेपी ने भले ही 6 जिलों में उम्मीदवार नहीं दिए, लेकिन उसकी पकड़ ढीली नहीं हुई . असल में, यह बीजेपी की गहराई वाली चुनावी नीति का हिस्सा है जहां सीटें नहीं, समीकरण जीते जाते हैं . क्योंकि बिहार की राजनीति में जो दिखता है, वो होता नहीं और जो होता है, वो आख़िरी राउंड में सामने आता है .

विशेष **अहीरवाल क्षेत्र के दो भाजपा दिग्गज सांसदों के राजनीति से संन्यास के संकेत**

भाजपा की बदलेगी राजनीति-रणनीति

चंडीगढ़. राजनीति में कब क्या हो जाए किसी को पता नहीं होता. लोकसभा व विधानसभा चुनाव को बमुश्किल से एक से डेढ़ साल बीता और दक्षिण हरियाणा की राजनीति करवटें बदलने लगी है.

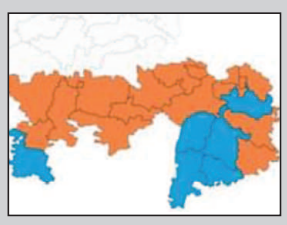

अहीरवाल क्षेत्र के दो भाजपा दिग्गज सांसद और घनिष्ठ मित्र धर्मबीर सिंह और राव इंद्रजीत ने 2029 के चुनाव से पहले ही राजनीति से संन्यास लेने के संकेत दे दिए हैं. उनके इस इशारों से अब दोनों ही लोकसभा क्षेत्रों में नए समीकरणों और चेहरों पर चर्चा शुरू हो गई है. चर्चा चल रही है कि भाजपा के अंदर ऐसे कौन से चेहरे हैं जो इन लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के साथ यह सीट भाजपा की झोली में डाल सकते हैं. एक चर्चा यह भी है कि कहीं यह जानबूझकर तो बयान नहीं दिए गए ताकि किसी के लिए जमीन तैयार की जा सके.

करीब एक सप्ताह पहले भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा के सांसद धर्मबीर सिंह ने नारनौल में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अब सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का समय आ गया है. अगले चुनाव तक उनकी उम्र काम करने की नहीं रहेगी. इसके छह दिन बाद ही छह बार के सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने भी नारनौल में कहा कि अब मैं 74 साल का हो गया हूं. ज्यादा घूमता, फिरता नहीं हूं मगर अब मेरी बेटी सक्रिय हो गई है. मैं भी चाहता हूं कि राजनीति में युवा ज्यादा आएं.

भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट पर जाट या अहीर होगा चेहरा

सांसद धर्मबीर सिंह भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से लगातार तीन बार से चुनाव जीत रहे हैं. इस सीट के अंतर्गत तीन जिले महेंद्रगढ़, चरखीदादरी और भिवानी आते हैं. इस सीट पर जाट वोटर करीब 4.25 लाख और अहीर 3.4 लाख हैं. भाजपा की लगातार तीन जीत का समीकरण यही रहा है कि अहीरवाल के गढ़ महेंद्रगढ़ से पार्टी बड़ी बढ़त लेती है. भिवानी व चरखीदादरी में सांसद धर्मबीर सिंह का अपना निजी वोट बैंक है और दोनों क्षेत्रों से जाट वोटरों को भी झटकते हैं. धर्मबीर की जीत में एक अहम फैक्टर राव इंद्रजीत का भी रहा है. अहीरवाल से वे काफी वोट धर्मबीर सिंह के खाते में डलवाते हैं. ऐसी स्थिति में पार्टी के सामने जाट या अहीर चेहरा ही होगा.

अहीर बिरादरी से आरती राव के नाम की भी चर्चा

यह किसी से छिपा नहीं है कि राव इंद्रजीत और धर्मबीर सिंह घनिष्ठ मित्र हैं . एक चर्चा यह भी कि एक सप्ताह के भीतर दोनों का बयान आना कहीं कोई पटकथा तो नहीं लिखी जा रही है . राजनीतिक विश्लेषक इस पटकथा को आरती राव के लिए नई जमीन तैयार करने के नजरिये से भी देख रहे हैं . राव इंद्रजीत के बयान से अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने संदेश दे दिया है कि अब उनकी राजनीति की विरासत उनकी बेटी आरती राव संभालेंगी . राव इंद्रजीत ने गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र से 2024 का चुनाव मात्र 75,079 वोटों से जीता था जबकि 2019 में 3.86 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी . ऐसे में 2029 की चुनावी डगर इतनी आसान नहीं होने वाली . ऐसे में जब वे अपनी बेटी को राजनीतिक विरासत सौंपने की तैयारी कर रहे हों तो वे उनके लिए जमीन भी तैयार करेंगे . वरना चार साल पहले ही इस तरह का बयान देना किसी के गले नहीं उतर रहा है . आरती राव अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए लोगों की समस्याएं सुन रहीं हैं . चंडीगढ़ में भी सप्ताह दो दिन बैठती हैं .